RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्यः ₹ 02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
साध्यकालीन समाचार पत्र

# स्वराज इंडिया

बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने कहा, उनका देश शांति चाहता है, लेकिन शर्तों पर बिल्कुल नहीं

» Pg12

कानपुर,बुधवार , 04 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 156, पृष्ठः 8+4

इनसाइड अवैध निर्माणों की लंबी फेहरिस्त मालामाल प्रवर्तन दस्ता » Pg07

# शर्मिष्ठा पनोली केस में अब आमने-सामने बंगाल और असम पुलिस

» शर्मिष्ठा के पक्ष में कई जगह चल रहा देश में आंदोलन

## शर्मिष्ठा पर आरोप लगाने वाले वजाहत खान को हिरासत में लेने के लिए असम पुलिस की एक टीम बंगाल पहुंचने की खबर

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

नई दिल्ली। चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद असम और बंगाल सरकार आमने-सामने आ गई है. दरअसल, शर्मिष्ठा पर आरोप लगाने वाले वजाहत खान को हिरासत में लेने के लिए असम पुलिस की एक टीम बंगाल पहुंच रही है. सूत्रों के मुताबिक, एक इंस्पेक्टर के नेतृत्व में 3 अधिकारियों की एक टीम आज (बुधवार) गुवाहाटी से रवाना हुई. कोलकाता पहुंचने के बाद वे वजाहत खान को हिरासत में लेने के लिए कदम उठाएंगे. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि वे इस संबंध में बंगाल सरकार से सहयोग के लिए आवेदन करेंगे.

वजाहत ने पुणे की लॉ स्टूडेंट शर्मिष्ठा पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया था. उन्होंने गार्डन रीच पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी. उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने शर्मिष्ठा को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया.

**पानबाजार साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज**

शर्मिष्ठा पर आरोप लगाने वाले वजाहत पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का भी आरोप है. उन पर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले बयान देने का आरोप है. उन पर असम में एक धार्मिक स्थल पर कब्जा करने को लेकर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है. वजाहत के खिलाफ पानबाजार साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई गई थी.

कल असम के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि असम पुलिस वजाहत को हिरासत में लेने के लिए बंगाल जाएगी. उन्होंने राज्य से इस संबंध में असम पुलिस के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया. असम के अलावा बंगाल में भी वजाहत पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगा है. कोलकाता पुलिस के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है. कोलकाता पुलिस सूत्रों के मुताबिक वजाहत फरार है.

सोशल मीडिया एक्टिविस्ट शर्मिष्ठा पानौली को बंगाल पुलिस ने किया था गिरफ्तार

**कौन है वजाहत खान?**

वजाहत खान कोलकाता स्थित रशीदी फाउंडेशन का सह-संस्थापक है. वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट और वीडियो में वजाहत खान की ऐसी टिप्पणियां दिख रही हैं, जिनके बारे में कई लोगों का मानना है कि वे सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देती हैं और हिंदू मान्यताओं का मजाक उड़ाती हैं. वजाहत ने पनोली की गिरफ़्तारी की मांग करते हुए मैसेज भी पोस्ट किए थे और बाद में इसका जश्न मनाते हुए दिखाई दिया.

गुवाहाटी और दिल्ली समेत कई शहरों में वजाहत के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई हैं. इन शिकायतों में उन पर हिंदू देवी-देवताओं, त्योहारों और रीति-रिवाजों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है. प्रमुख शिकायतकर्ताओं में से एक श्री राम स्वाभिमान परिषद का आरोप है कि वजाहत खान के पोस्ट से धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा मिला है।

# आईआरएस गौरव गर्ग से मारपीट के आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा सस्पेंड

» विभागीय जांच में तत्काल प्रभाव से सिक्किम ट्रांसफर किया गया

» 29 मई को लखनऊ के आयकर विभाग दफ्तर में दो अफसरों के बीच मारपीट से हड़कंप मच गया था

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

लखनऊ। इनकम टैक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग से मारपीट के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है। दोनों अफसरों के बीच कुछ दिन पहले मारपीट होने से हड़कंप मच गया था। योगेंद्र मिश्रा को बंगाल -सिक्किम रीजन से संबद्ध किया गया है। मारपीट की घटना सामने आने के बाद दोनों अधिकारियों के बीच आरोप और प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था।

नरही स्थित इनकम टैक्स के दफ्तर में 29 मई को यह घटना हुई थी। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान योगेंद्र मिश्रा और गौरव गर्ग के बीच किसी मुद्दे पर बहस हुई। बात इतनी बढ़ गई कि योगेंद्र मिश्रा ने पानी का गिलास उठाकर गौरव गर्ग पर हमला कर दिया। बंद केबिन में दोनों अफसरों के बीच मारपीट शुरू हो गई। गौरव गर्ग के नाक से खून बहने लगा। पुलिस ने उन्हें सिविल अस्पताल भर्ती करवाया।

आपको बता दें कि गौरव गर्ग आईपीएस रवीना त्यागी के पति हैं। रवीना लंबे समय तक लखनऊ में डीसीपी मध्य पद पर तैनात रही हैं। अस्पताल में गौरव गर्ग ने डॉक्टरों से कान में सनसनाहट, दाएं पैर के घुटने में चोट और चक ?कर आने की शिकायत की थी। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है।

**क्रिकेट मैच के दौरान मिश्रा ने किया था हंगामा**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में आईआरएस अफसरों का क्रिकेट मैच हुआ था। इस दौरान योगेंद्र मिश्रा ने टीम में शामिल नहीं करने पर जमकर हंगामा किया था। वह पिच पर ही बैठकर अधिकारियों को बुरा-भला करने लगे। आरोप है कि वह आयकर विभाग के कई अन ?य अफसरों पर दबाव बनाया करते थे। योगेंद्र मिश्रा की पत ?नी परिवहन विभाग में एआरटीओ के पद पर तैनात हैं।

# बिजली समस्याओं को लेकर केस्को एमडी से मिले सपा नेता

## विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि बिजली समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता को हो रही परेशानी

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई एवं छावनी विधायक मो. हसन रूमी अपने पार्षद साथियों के साथ केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन से मिलकर बिजली समस्याओं से अवगत कराया एवं जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बेतहाशा फाल्ट एवं अघोषित बिजली कटौती, अंडरग्राउंड केबल एबीसी कंडक्टर के अधूरे पड़े कार्य, खराब स्मार्ट मीटर , फॉल्ट रिपेयरिंग मोबाइल वैन की जगह हाथ गाड़ी का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे विलंब होता है , टोल फ्री नंबर एवं हेल्प डेस्क लाइन नंबर जल्दी उठता नहीं है ।समस्या जल्दी दूर नहीं हो रही। रेड टीम का भ्रष्टाचार/टीम के पास बॉडीवार्न कैमरा होना चाहिए ।पेयजल सप्लाई टाइम पर स्पेशल फोकस।

सपा नेताओं ने कहा कि ज्यादातर बिंदुओ पर अधिकारियों ने सहमति जताते हुए समस्या निस्तारण का वादा किया। साथ में नीरज सिंह, कृष्ण शर्मा पार्षद साथी- मो. सारिया, रजत बाजपेई, सुशील तिवारी, फैजान रहमान, मो. अली, फखर आलम, अकील शानू, मेराज आलम, पूर्व पार्षद- हरीओम पांडे, जावेद जमील,चंकी गुप्ता, सुरभित जायसवाल, दुर्गेश चक, मर्फी, पुण्य जैन, प्रशांत जायसवाल, सचिन यादव, आकाश यादव आदि रहे।

# नगर निगम के तत्कालीन पशु चिकित्साधिकारी की सड़क हादसे में मौत

## वर्तमान समय में तैनाती लखीमपुर जिले में पीओ डूडा के पद पर थी

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर। नगर निगम कानपुर में प्रतिनियुक्ति में तैनात रहे पशु चिकित्साधिकारी डा0 अजय कुमार सिंह एके सिंह की बीते दिन एक सडक हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

वर्तमान समय में उनकी तैनाती लखीमपुर जिले में पीओ डूडा के पद पर थी। उनकी कार लखनउ से तैनाती स्थल लखीमपुर जाते समय दुर्घटना का शिकार हो गई। उनके साथ एक विभागीय कर्मी भी था जो कि घायल हो गया है। घायलों को ओयल स्थित अस्पताल भेजा गया। जहां पीओ डूडा को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया।

बताया जा रहा है कि आहत परिजन सुसाइड करने के लिए किसान पथ पर पहुंच गए लेकिन राहगीरों ने समय रहते रोक लिया। इससे बडी घटना टल गई। स्थानीय पुलिस के मुताबिक यह हादसा हरगांव से खीरी की ओर जाने वाले परसेहरा मार्ग पर हुआ। परियोजना अधिकारी की कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।

# यूट्यूब न्यूज़ चैनल की आड़ में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी

» फर्जी रिपोर्टिंग और आईडी कार्ड के ज़रिए युवाओं को जोड़ा,

» क्राइम ब्रांच व बिठूर पुलिस की ज्वाइंट रेड में खुला नेटवर्क

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। चकेरी इलाके में क्राइम ब्रांच और बिठूर पुलिस की संयुक्त टीम ने यूट्यूब चैनल की आड़ में चल रहे ड्रग्स और हथियारों के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी बलराम राजपूत और रजत वर्मा, 卐क्राइम-9卐 नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से नशे और अवैध हथियारों की तस्करी कर रहे थे। बलराम खुद को चैनल का संपादक बताता था और रिपोर्टिंग के नाम पर 3 से 4 युवकों को फर्जी आईडी कार्ड देकर भर्ती कर रखा था।**

ये युवक चकेरी, बजरिया और जाजमऊ जैसे इलाकों में सक्रिय थे और ड्रग्स व पिस्टल की डिलीवरी करते थे। पकड़े गए आरोपियों के पास से 27.50 ग्राम स्मैक, 920 ग्राम चरस और दो 32 बोर की मुंगेरियन पिस्टल बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की कीमत लगभग ढाई लाख रुपये, चरस की कीमत 60 हजार रुपये और दोनों पिस्टलों की कीमत डेढ़ लाख रुपये है।

**मुंगेर से पिस्टल, बाराबंकी से स्मैक**

डीसीपी क्राइम कासिम आब्दी के अनुसार बलराम बिहार के मुंगेर जिले से अब तक लगभग 10 बार पिस्टल ला चुका है।

वह एक पिस्टल करीब 35 हजार रुपये में खरीदता था और उसे कानपुर में 50 से 70 हजार रुपये तक बेचता था। वहीं बाराबंकी से वह स्मैक लाकर उसे पुड़ियों में पैक करके शहर में स्कूल-कॉलेज के छात्रों, नवयुवकों और ड्रग्स के शौकीन रईसजादों को बेचता था।

10 ग्राम स्मैक से लगभग 175 पुड़िया बनती थी, जिसे 300 रुपये प्रति पुड़िया बेचा जाता था।

गैंग की रोज़ की कमाई 15 हजार रुपये तक पहुंच जाती थी। बलराम के खिलाफ पहले से शहर के कई थानों में कुल 9 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, वहीं रजत वर्मा हाल ही में इस नेटवर्क से जुड़ा था। वह पहले लोडर चलाता था और नवंबर में उसकी शादी तय थी, लेकिन ड्रग्स के धंधे में आने के बाद पुलिस के शिकंजे में आ गया।

# नगर निगम सदन: 11 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास

## सफाई कर्मचारियों की होगी भर्ती, खराब लाइटें नई लगेंगी

**मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर।** मंगलवार को कानपुर नगर निगम में सदन का आयोजन किया गया। इसमें वार्डो में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिये नये सफाई कर्मचारियों की भर्ती होगी। सफाई कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने के निर्देश नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने नगर निगम की सदन की बैठक में दिये। उन्होंने सफाई कर्मचारियों का हर जोन से डाटा कलेक्ट करने को भी कहा है। इसके साथ ही शहर की खराब लाइटों के स्थान पर नई लाइटों को लगवाने के निर्देश नगर आयुक्त ने दिये। उन्होंने पार्षदों की शिकायत पर मार्गप्रकाश के अधिकारियों से कहा कि लाइटें समय से पहले खराब हो रहीं हैं इसलिये ठेकेदार कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की जाये। बैठक में रखे गये कुल 11 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिये गये। नामांतरण संशोधन संबंधी प्रस्ताव कोर्ट के फैसले के बाद ही लागू होगा।

नगर निगम की सदन की बैठक दोपहर 2.35 बजे शुरू हुई। सबसे पहले पहलगाम में हुई आतंकी हमले में मारे गये लोगों और पार्षद महेंद्र पांडेय पप्पू व एक अन्य पार्षद की माता के देहांत पर सदन में 2 मिनट का मौन रखा गया। सदन की कार्रवाई शुरू हुई तो सबसे पहले भुगतान संबंधी पत्रावलियों पर विभागीय बजटशील एवं कमिटमेंट शील लगाने संबंधी प्रस्ताव रखा गया। इसमें पार्षदों ने कहा कि शील न लगी होने से यह ज्ञात नहीं हो पाता है कि जोनल स्तर पर कार्य के लिये बजट उपलब्ध है या नहीं। इस प्रस्ताव को सदन ने स्वीकृति देते हुये पास कर दिया और सुधार करते हुये एस्टीमेट से पहले सील लगाई जाए। इस दौरान पार्षदों द्वारा कहा गया कि बजट पास होने के बाद भी चर्चा नहीं हुई है। इसपर महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त ने कहा कि बजट को लेकर अलग से सदन बुलाया जायेगा। इसके बाद नये बन रहे पार्कों में बाउंड्रीवाल के बराबर एक बड़ा और छोटा गेट लगवाए जाने संबंधी प्रस्ताव रखा गया। जिसपर मुख्य अभियंता एसएफए जैदी ने कहा कि सभी अधिकारियों और उद्यान विभाग को इसको लेकर निर्देशित कर दिया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक वार्ड में गली नंबर पता मोहल्ला बोर्ड व वार्ड अंकित करने के लिये पोल लगाने संबंधी प्रस्ताव रखा गया जिसे पास कर दिया गया।

**भैरोघाट जो जाता उसकी वापसी नहीं...!!**

अपर नगर आयुक्त मो. आवेश ने जैसे ही हर वार्ड में 30-30 लाइट लगाने संबंधी चौथा प्रस्ताव सदन में पेश किया पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि 55-55 लाइट दी जा चुकी हैं। इसपर पार्षद हाजी सुहैल अहमद ने विरोध करते हुये कहा कि इसमें से आधी खराब हो गई है। लाइटें ठीक नहीं हो रही हैं। भैरोघाट लाइटें सही होने जाती हैं तो गायब हो जाती है। पार्षद सुनील पासवान ने कहा कि

» वार्डों में सफाई कर्मचारियों की कमी और खराब लाइटों पर पार्षदों का हंगामा

» व्यक्तिगत मुद्दों में टकराव को लेकर होता रहा सदन में काफी देर हंगामा

लाइटों के नाम पर खेल हो रहा है। इसपर महापौर प्रमिला पांडेय ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भैरोघाट जो जाता उसकी वापसी नहीं है। पार्षद विकास जायसवाल ने कहा कि महापौर जी लाइट बनाने का स्थल बदला जाये।

## नामांतरण शुल्क को लेकर कोर्ट की सुनेगा नगर निगम

प्रदेश में एक समान नामांतरण शुल्क लागू करने के लिये शासन की ओर से तैयार किए गए मानक उपविधि (बाइलाज)-2025 को भी सदन में रखा गया। इस प्रस्ताव को लेकर महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया कि नगर निगम के विधि परामर्शी ने बताया है कि नगर निगम सीमा में आने वाली संपत्तियों के कर के भुगतान एवं नामांतरण से संबंधित शुल्क के संबंध में दिनांक 10.10.018 को विज्ञापित सूचना को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष रिट द्वारा प्रश्नांकित किया गया है। जो वर्तमान में भी विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में याचिक लंबित रहने के दौरान न्यायालय के संज्ञान में लाये बिना नगर निगम द्वारा ऐसा कोई निर्णय लिया जाना विधि संगत नहीं है।

महापौर ने कहा कि न्यायालय से ऊपर हम नहीं है, इसलिये जैसा न्यायालय का आदेश होगा भविष्य में आगे निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि सदन से हम इस प्रस्ताव को शासन भेज रहे हैं।

इस प्रकरण को एमएलसी अरुण पाठक ने योगी सरकार के समक्ष रखा था वहां से शुल्क निर्धारित करते हुए लागू कर दिया गया है लेकिन नगर निगम कानपुर में कोर्ट का हवाला देते हुए आदेश रोक दिया गया है।

## वाट इज योर टोल फ्री नंबर....

पार्षदों के हंगामें के बीच नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने प्रभारी अधिकारी मार्गप्रकाश आरके पाल को खड़ा किया और पूछा कि 55 लाइटों में वार्डो में कितनी खराब हैं और कितनी सही। नगर आयुक्त ने कहा कि पहली बात जो लाइटें 2 वर्ष से पहले खराब हो रहीं हैं वह ठीक नहीं होंगी बल्कि बदली जाएंगी।

यदि कंपनी ने खराब लाइटें दीं हैं तो कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि लाइटों को बनाने की जगह सेंट्रलाइज की जगह लोकलाइज की जाएं। खराब लाइट 72 घंटें में बदली जाएं। मार्गप्रकाश की शिकायतों को दर्ज कराने के लिये टोल फ्री नंबर पूछने पर आरके पाल जवाब नहीं दे पाए काफी देर बात पूछकर उन्होंने सदन को जवाब दिया। इस दौरान कई पार्षद हूटिंग करते रहे वाट इज योज टोल फ्री नंबर।

# शहर में प्रभावशाली व्यक्तियों से हाउस टैक्स वसूली में किया जाता है खेल

» पार्षदों ने लगाया आरोप, कहा भेदभाव अधिकारी करते हैं, वसूली कर रहे

» भाजपा पार्षद दल के नेता ने कहा छोटी गुमटियों वालों को न करें परेशान

**मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर। शहर में गृहकर वसूली को लेकर भी पार्षदों ने सदन में अधिकारियों पर सवालों की बौछार की। पार्षद धीरेंद्र त्रिपाठी धीरू ने संपत्ति अधिकारी ने कहा कि आवासीय और व्यवसायिक भवनों में डराकर वसूली हो रही है। दुकान से व आवासीय घरों में किराये पर रहने वाले लोगों से किस तरह वसूली हो रही है इसको स्पष्ट करें। इसपर संपत्ति अधिकारी अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि आवासीय घरों में यदि किराये पर मकान दिया जा रहा है तो यह व्यवसायिक नहीं है, लेकिन यदि आवास में दुकान खुली है तो जितना हिस्सा दुकान का है वहां व्यवसायिक कर लगेगा।

पार्षद अवधेश त्रिपाठी ने आरोप लगाते हुये कहा कि उनके वार्ड किदवई नगर में प्रभावशाली व्यक्तियों से गृहकर का पैसा नहीं लिया जाता है और लिया भी जाता है तो बहुत नाम मात्र का। उन्होंने आरोप लगाते हुये कहा कि उनके क्षेत्र में बृहस्पति महिला महाविद्यालय के बाहर कामर्शियल दुकानें, रेस्टोरेंट हैं जिनसे कोई टैक्स नहीं लिया जाता है। नगर निगम विद्यालय को विशेष ट्रीटमेंट देता है। जबकि प्रभाव के दम पर यहां गेस्टहाउस व अन्य कामर्शियल गतिविधियां होती हैं। महापौर और नगर आयुक्त ने पार्षद के आरोपों पर जांच की बात कही है। पार्षद अभिषेक गुप्ता मोनू ने आरोप लगाया कि शिवाला मार्केट में 8/24 मकान संख्या से टैक्स नहीं लिया जाता है। इसपर जोनल विद्यासागर ने बताया कि नोटिस भेजा गया है। ओनर ने असेसमेंट के लिये आग्रह किया है। जल्द ही पैसा जमा करा देंगे। भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित ने कहा छोटी गुमटियों वालों को अधिकारी परेशान करते हैं। गलियों के अंदर घरों में खुली गुमटियों में जाकर कहते हैं कि तुम्हारा अलग से 13 हजार लगेगा। पार्षदों के आरोपों के बाद महापौर ने कहा कि आप लोग यह नहीं बताते कि आपके घर के बगल में फैक्ट्रियां लग जाती हैं, वह टैक्स भी नहीं देते। महापौर ने कहा कि छोटे दुकानदारों को छोड़िए कल्क्टरगंज में चोरी-छिपे किराये पर गोदाम दिया गया, जहां आग लगने से करोड़ों लोगों का नुकसान हुआ है। 10 हजार लोग प्रभावित हुये। जिसमें 1 हजार तो रोज वहां मजदूरी करके कमाता था।

## प्लास्टिक इस्तमाल को लेकर खाई शपथ

नगर निगम सदन में महापौर प्रमिला पांडेय व नगर आयुक्त ने अधिकारियों और पार्षदों को सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तमाल न करने की शपथ खिलाई। महापौर ने कहा कि अपने दैनिक जीवन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक जैसे प्लास्टिक बैग, स्ट्रॉ, कप, प्लेट और बोतलों का उपयोग न करें। हालांकि इस दौरान कुछ पार्षदों ने सदन के अंदर प्लास्टिक की बोतलों में पानी देने का विरोध किया।

# धांधली के आरोपों में घिरा प्रधान, कार्रवाई अब तक नहीं!

» पीएम आवास की रकम हड़पने वाला प्रधान अब भी कुर्सी पर काबिज़

» गरीबों के अधिकार छीनने वाले प्रधान के खिलाफ कार्रवाई कब

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। ग्राम पंचायत चिंता पूरवा के जोगिन डेरा में ग्राम प्रधान धनीराम कुशवाहा पर प्रधानमंत्री आवास योजना में गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप पक्के होते जा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि धनीराम एक आपराधिक और दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जो योजना की किस्त दिलाने के नाम पर गरीबों से मोटी रकम वसूलता है। जिन लाभार्थियों ने पैसे देने से मना किया, उन्हें डराया-धमकाया गया और एक महिला के साथ तो मारपीट तक की गई। यह सब एक ऐसी योजना में हो रहा है जिसे देश के सबसे गरीब लोगों को छत देने के लिए शुरू किया गया था।

### शौचालयों के नाम पर भी हुआ खेल, प्रधान की मिलीभगत से निकली रकम

धनीराम कुशवाहा की करतूत सिर्फ पीएम आवास योजना तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने 'हर घर शौचालय' योजना में भी बड़ा खेल किया। पूरे जोगिन डेरा में ठेकेदारों के भरोसे अधूरे शौचालय बनवाकर कागजों में उन्हें पूरा दिखाया गया और भुगतान निकाल लिया गया। किसी भी शौचालय में न प्लास्टर हुआ, न टंकी लगी, और न ही आज तक उपयोग में लाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह सारा घोटाला ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिलीभगत से हुआ है। अब सवाल यह है कि ऐसे भ्रष्ट और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

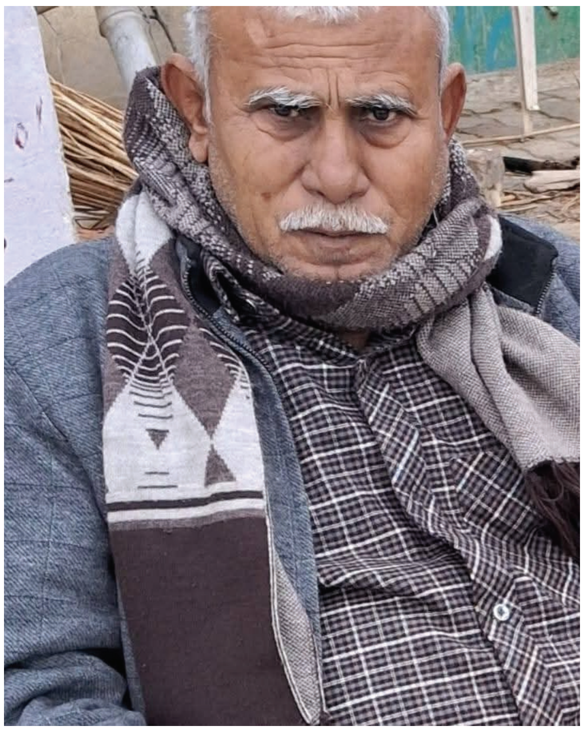

आरोपी प्रधान धनीराम कुशवाहा

## सम्पादकीय

# लैंगिक व क्षेत्रीय विभेद से भी मिले मुक्ति

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है।

लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके?

# वोट की राजनीति न हो राष्ट्रीय मुद्दों पर

विश्वनाथ सचदेव

**शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं।**

**ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, स्थगित हुआ है। स्थगित होने का नया मतलब है, यह समझना यदि मुश्किल नहीं है तो आसान भी नहीं है। फिर भी, पहलगाम में हुई अमानुषिक आतंकवादी कार्रवाई के विरोध में जिस तरह सारा देश एक होकर उठ खड़ा हुआ और जिस तरह विपक्ष ने सरकार को पूरा समर्थन दिया, उससे राष्ट्र की एकता और ताकत का अहसास तो हो ही जाता है। जहां तक राष्ट्र की सुरक्षा का सवाल है, यह एकता भरोसा देने वाली है। यह मुद्दा राजनीति का कतई नहीं है। पहले भी जब-जब ऐसी स्थितियां आई हैं, सारे देश ने एक होकर दुश्मन का मुकाबला किया है, उसे धूल चटायी है।**

आगे भी यदि कभी स्थितियां बनती हैं तो निश्चित रूप से देश एक होकर खड़ा होगा, इसमें संदेह नहीं करना चाहिए।लेकिन, राजनीति की एक विवशता यह भी है कि राजनीतिक स्वार्थ अक्सर राष्ट्रीय हितों पर हावी हो जाते हैं। इसलिए ज़रूरी है कि इस स्थिति से बचने के प्रति सजग रहा जाये। यहीं गड़बड़ हो रही है। जहां समूचा विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए राष्ट्र की एकता को रेखांकित कर रहा है, वहीं सरकार इसका राजनीतिक लाभ उठाने के लालच से बच नहीं पा रही। हालांकि आतंकवाद के विरुद्ध जारी की गयी यह लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित हुआ है, पर इसे सफलता घोषित करके उसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश भी स्पष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए था, पर हुआ है तो इसके बारे में बात भी होगी। और बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगीइस बारे में कुछ और कहने से पहले इस बात को स्वीकार किया जाना ज़रूरी है कि पहलगाम के काण्ड की सज़ा देने के लिए हमारी सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों को जिस तरह से ध्वस्त किया है, उसकी सिर्फ प्रशंसा ही की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि इसके अलावा और कुछ किया ही नहीं जा सकता था, अथवा किया ही नहीं जाना चाहिए था, पर जो कुछ हुआ उसकी महत्ता

को स्वीकार करना ही चाहिए। इस शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

सरकार की इस कार्रवाई की शुरुआत तो 'ऑपरेशन' के नामकरण के साथ ही हो गयी थी। निश्चित रूप से, किसी भी राजनीतिक दल में राजनीतिक लाभ उठाने की लालसा तो होती ही है, पर भाजपा में ऐसा हर लाभ प्रधानमंत्री के खाते में जमा करने की प्रवृति एक प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। शायद इसीलिए, इस बात को प्रचारित करना ज़रूरी समझा गया कि कार्रवाई के नाम के साथ सिंदूर जोड़ने का आइडिया स्वयं प्रधानमंत्री का था। हो सकता है यह सही भी हो, पर सामान्यता ऐसी सैनिक कार्रवाइयों का नामकरण सेना के सम्बंधित विभाग ही करते हैं। यहां सच्चाई कुछ भी हो, भाजपा ने सिंदूर के साथ जुड़ी भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने में कोई देरी नहीं की।अपनी रगों में खून की जगह 'गर्म सिंदूर' बहने की बात कहकर जैसे प्रधानमंत्री ने अपने समर्थकों को आगे बढ़ने का एक रास्ता दिखा दिया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री की जय-जयकार के लिए सभाओं और 'रोड शो' का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री अच्छी तरह समझते हैं कि 'चुटकी भर सिंदूर' की कीमत कितनी होती है। इसीलिए उन्होंने रगों में सिंदूर बहने वाली बात कही थी। वे यहीं तक नहीं रुके। देश भर में उनके भक्तों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने की योजना बना ली। देश की महिलाओं को 'सिंदूर' बांटने की योजना भी बन गयी, ऐसा कहा जाता है। इस आशय का समाचार जब मीडिया में आया तो इसकी आलोचना भी खूब हुई। भाजपा ने शायद सोचा था ।

# 'बच्चों के लिए मां के दूध के समान है मातृभाषा'

## प्राथमिक शिक्षा

प्रोफेसर सुरेन्द्र दुबे

**ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक-दूसरे की किसी प्रतिद्वंद्विता में नहीं रखती, न वह उन्हें बांधती या रोकती ही है। वह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक से पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मिलने से बच्चा आसानी से विषय को समझ पाता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। इस तरह मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चे के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा का स्वाभाविक और सर्वाधिक समर्थ माध्यम है। बच्चे चूंकि मातृभाषा अथवा घर में बोली जाने वाली भाषा जल्द से जल्द सीख लेते हैं इसलिए शिक्षा के माध्यम को परिचित भाषा में ढालने में सहायता मिलती है और भाषा शिक्षण की पद्धति को वैज्ञानिक ढंग से लागू करने की राह सुगम होती है।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की सिफारिश के अनुसार कक्षा एक से पांच तक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करेगा। इस दौरान वह अपनी पसंद के मुताबिक एक दूसरी भाषा भी पढ़ेगा। जब वह छठी कक्षा में जाएगा तो वह तीसरी भाषा पढ़ेगा। बुनियादी चरण में यानी पूर्व प्राथमिक से दूसरी कक्षा और आयु की दृष्टि से तीन से आठ वर्ष में पढ़ाई मातृभाषा में होनी है। इस चरण में बच्चे पहली भाषा यानी मातृभाषा में पढ़ना लिखना समझना सीखेंगे। दूसरी भाषा को महज मौखिक रूप से बच्चों से परिचित कराया जाना है। तीसरी से पांचवीं कक्षा की आयु यानी करीब 11 वर्ष तक के बच्चे दूसरे विषयों की पढ़ाई भी मातृभाषा में करेंगे। यदि

छात्र मौखिक भाषा (दूसरी भाषा) में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है।

एक बहुभाषिक देश होने के कारण भारत में भाषा-प्रयोग की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती यह है कि ऐसी कई भाषाएं हैं जिनकी कोई अपनी लिपि नहीं है और वे अभी भी मौखिक रूप में ही प्रचलित हैं। इसीलिए जहां मातृभाषा में लेखन की परंपरा न हो, जहां कक्षा में भाषाई विविधता हो, वहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिवर्तन की छूट दी गई है। इससे मातृभाषा और बहुभाषावाद दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इसे ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक-दूसरे की किसी प्रतिद्वं?द्विता में नहीं रखती, न वह उन्हें बांधती या रोकती ही है। वह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की गई है, जहां बहुभाषावाद का न केवल स्वागत किया जाएगा, बल्कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहज, स्वाभाविक और नैसर्गिक प्रक्रिया के तहत दूसरी भाषाएं भी सीखने-सिखाने की सुविधा देती है।भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त कई अन्य भाषाएं भी हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की अनेकानेक मातृभाषाओं में स्कूली शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दृष्टि से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल में जारी किए गए भारतीय भाषाओं में प्राइमर और तेरह भाषाओं में विशेष मॉड्यूल बेहद उपयोगी होंगे। अब तक 13 भाषाओं में प्राइमर तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें कश्मीरी (फारसी-अरबी), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संताली, ज़ेमी, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगू, भीली (वागड़ी) और चोकरी शामिल हैं। कुल प्राइमर की संख्या 117 हो गई है। भारतीय भाषाओं में ये प्राइमर केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए हैं। कम उम्र से भाषा के साथ भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देना और संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक एकीकरण के आधार के रूप में बहुभाषा सीखने की सुविधा देना है। छोटे बच्चों के लिए, ये प्राइमर भविष्य की शिक्षा और संज्ञानात्मक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

# एक्शन में स्कूल शुल्क नियामक समिति

**समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं करने पर एक 100000 का स्कूलों पर लगा जुर्माना**
**डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह अगवाई में बनी है कानपुर में शुल्क नियामक समिति**

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित शुल्क नियामक समिति द्वारा उ0प्र0 स्ववित्तपोषित स्वतंत विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्राविधानों का अनुपालन न करने वाले दो विद्यालय सुधर सिंह एकेडमी, 416 सतबरी स्वर्णजयन्ती विहार, कोयला नगर, कानपुर नगर एवं दी चिन्ट्रलस स्कूल, रतनलाल नगर कानपुर नगर पर 01-01 लाख रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, जिसे संस्थान को एक सप्ताह के अन्दर जमा करना होगा।

बता दें कि जनपद में संचालित सी0बी0एस0ई0 आई0सी0एस0ई0 / अन्य बोर्ड से सम्बद्वता / मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा मनमानी फीस वसूले जाने तथा दुकान विशेष से पाठ्य पुस्तके, यूनीफार्म खरीदे जाने की प्राप्त शिकायतों के क्रम में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित जनपदीय शुल्क नियामक समिति की नवीन सभागार में विगत 24 मई को बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें विद्यालय द्वारा मनमानी फीस वसूले जाने तथा दुकान विशेष से पाठ्य पुस्तके, यूनीफार्म खरीदे जाने की प्राप्त शिकायतों के क्रम में विद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी। आख्या का समिति द्वारा परीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि सुधर सिंह एकेडमी, 416 सतबरी स्वर्णजयन्ती विहार, कोयला नगर, कानपुर नगर ने उ0प्र0 स्ववित्तपोषित स्वत्रत विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया गया।

## क्या कहता है स्ववित्तपोषित स्वत्रत विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम

अधिनियम में बिन्दु संख्या 3(4) प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय प्रमुख, प्रत्येक शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने के पूर्व समुचित प्राधिकारी को आगामी शैक्षणिक वर्ष के दौरान ऐसे विद्यालय द्वारा उद्ग्रहीत किये जाने वाले शुल्क का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करेगा। 2 बिन्दु संख्या 3(7) कोई विद्यालय समुचित प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति के सिवाय, शैक्षणिक सत्र के दौरान उप धारा (4) के अधीन समुचित प्राधिकारी के लिए संसूचित शुल्क से अधिक कोई शुल्क प्रभारित नहीं करेगा । 3 बिन्दु संख्या 4(1) विद्यमान छात्रो के लिए अनुज्ञात शुल्क वृद्धि कोई मान्यता प्राप्त विद्यालय अपने विद्यमान छात्रो के लिए पूर्ववर्ती वर्ष के अध्यापन कर्मचारी वर्ग के मासिक वेतन में प्रति व्यक्ति वृद्धि के औसत के बराबर विद्यालय के प्रत्येक वर्ग / कक्षा/स्तर के लिए स्वयं अपने वार्षिक शुल्क में पुनरीक्षण कर सकता है. किन्तु शुल्क वृद्धि, नवीन उपलब्ध वार्षिक प्रतिशत बढ़े हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक छात्र से वसूल किये गये पांच प्रतिशत शुल्क से अधिक नहीं होगी।

# गर्ल्स हॉस्टल बना ब्लैकमेलिंग का अड्डा, छात्रा का बनाया वीडियो

» **रावतपुर के गर्ल्स हॉस्टल की घटना, मैनेजर और कर्मचारी पर गंभीर आरोप**

» **पीड़िता की एसपी से शिकायत, अन्य छात्राओं को भी निशाना बनाने की आशंका**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। रावतपुर स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ शर्मनाक घटना घटी। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 5 अप्रैल को जब वह बाथरूम में नहा रही थी, तभी हॉस्टल के मैनेजर महफूज खान और कर्मचारी काफिल अंसारी ने छिपकर उसका वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दोनों ने उससे अब तक 60 हजार रुपये वसूल लिए। यहीं नहीं रुके आरोपी अब शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगे और मना करने पर वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी। छात्रा ने साहस दिखाते हुए मंगलवार को रावतपुर थाने और एसपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय से शिकायत दर्ज कराई।

**पांच साल पुराने हॉस्टल में तीस छात्राएं, कई और हो सकती हैं शिकार**

इस सनसनीखेज मामले के बाद रावतपुर स्थित इस गर्ल्स हॉस्टल की सुरक्षा और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़िता दो साल से इसी हॉस्टल में रह रही थी, जहां आरोपी मैनेजर महफूज खान और कर्मचारी काफिल अंसारी भी रहते हैं। पीड़िता का आरोप है कि यह पहला मामला नहीं है—इन लोगों ने अन्य छात्राओं को भी निशाना बनाया हो सकता है। हॉस्टल में कुल 30 छात्राएं रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करती हैं। रावतपुर थाना प्रभारी केके मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। महिला पुलिस अधिकारी के माध्यम से छात्रा से विस्तृत बयान लिए जाएंगे। मामला जितना संवेदनशील है, उतनी ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# 'सर शराब भेज दो' एसीपी को परेशान करने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

» **व्हाट्सएप पर मैसेज और 18 कॉल के बाद टूटा अधिकारी का धैर्य, कल्याणपुर पुलिस ने भेजा जेल**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर नगर। यूट्यूब पर खबरों की आड़ में चर्चा में रहने वाला युवक मंगलवार को उस समय जेल पहुंच गया, जब उसने नशे की हालत में एक एसीपी रैंक के पुलिस अधिकारी को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर शराब की मांग कर दी। यही नहीं, उसने लगातार 18 बार फोन कर अधिकारी को परेशान किया, जिससे उनका धैर्य जवाब दे गया।**

जानकारी के अनुसार, इंदिरा नगर, कल्याणपुर निवासी भरत पांडे सोमवार रात आईआईटी चौराहे पर अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। दोस्तों के बीच फ्पुलिस कनेक्शन दिखाने की सनक में उसने एसीपी को मैसेज किया—सर शराब भेज दो—और लगातार फोन करने लगा।

एसीपी ने तत्काल इस हरकत की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। फिर आदेश पर कल्याणपुर पुलिस ने भारत पांडे को शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, भरत पांडे अक्सर खबरों के बहाने पुलिस अफसरों को फोन कर दबाव बनाने की कोशिश करता था। कल्याणपुर क्षेत्र में अपने साथियों संग लोगों पर प्रभाव जमाने के प्रयास करता रहता था। पुलिस अब उसके साथियों की तलाश में जुट गई है।

# अवैध निर्माणों की लंबी फेहरिस्त

# मालामाल प्रवर्तन दस्ता

काकादेव क्षेत्र में केडीए द्वारा सील परिसर में निर्माण की वायरल फोटो

## सील बिल्डिंग में निर्माण की फोटो वायरल

जोन-2 स्थित काकादेव में परिसर संख्या 117-एम-37 में आवासीय नक्शे में अवैध निर्माण की शिकायत की गई थी। इसपर केडीए ने परिसर सील कर दिया था। मंगलवार को परिसर की फोटो वायरल हुई जिसमें सील इमारत में काम चलता दिखा। इसी तरह से पनकी मंदिर रोड पर बीएमसी हॉस्पिटल का परिसर पांच माह पूर्व सील किया गया था लेकिन उसमें धडल्ले से कार्य करवाया जा रहा है। कल्यानपुर में भी एक सील परिसर में निर्माण कार्य मीडियाकर्मियों ने पकडा था। बताया जा रहा है कि केडीए द्वारा सील की गई अधिकतर इमारतों में कार्य चल रहा है। जिम्मेदार अधिकारी और कर्मी हर माह मोटी रकम अंदर कर रहे हैं।

-शहर में अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। किसी प्रकार की कोई उगाही केडीएकर्मी य अन्य कोई करता है तो उसकी शिकायत करें, सतत निगरानी के साथ एक्शन लिया जाएगा।

**मदन सिंह गर्ब्याल, उपाध्यक्ष केडीए**

» जोन-2 के लाजपतनगर, कौशलपुरी, काकादेव, पनकी और कल्यानपुर सहित कई हिस्सों में दनादन अवैध निर्माण

» शहर भर में अवैध प्लाटिंग रोकने के नाम पर हो रही उगाही

» प्रवर्तन कर्मी दिनरात निर्माणकर्ताओं से सिर्फ सेंटिंग करने में जूझते दिखते

खास खबर

**प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया**

कानपुर। अवैध निर्माणों को लेकर राज्य सरकार से लेकर हाईकोर्ट तक सख्त है। इसके बाद भी उनके नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय नहीं किए जा रहे हैं। कानपुर विकास प्राधिकरण में अवैध निर्माण और प्लाटिंग रोकने के लिए दस्ता गठित लेकिन दस्ता में शामिल अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक वसूली, उगाहीकर अपनी जेबें भरने में जुटे हैं। अवैध निर्माण रोकने का दिखावा किया जा रहा है।

बीते दिनों कानपुर के चमनगंज इलाके में बहुमंजिली अवैध इमारत में आग लगने से पांच लोगों की जलकर मौत हो गई थी, यहां पर बिना नक्शे के बेसमेंट सहित कई मंजिल की इमारत खडी कर दी गई थी। केडीए और अन्य विभागों की मिलीभगत से शहर में ऐसी सैकडों इमारतें मौत के कुएं की तरह खडी कर दी गई हैं। जिनमें हर समय हादसे का खतरा मंडरा रहा है। विभाग अनजान बने बैठे हैं। मंगलवार को नगर निगम में आयोजित सदन बैठक में मेयर प्रमिला पांडेय ने ऐसी इमारतों के निर्माण और उनमें चल रहे कारखानों, उद्योगों को लेकर चिंता जताई थी। उन्होने कहा कि पार्षदगण अपने अपने इलाकों में ऐसी इमारतों में ध्यान दें। वहीं, शहर के आउटर इलाकों की कृषि जमीनों पर बिना लेआउट के दनादन प्लॉटिंग कर अवैध सोसायटियां बसाई जा रही हैं, जिनमें सीवर, पानी और स्वस्थ्य वातावरण का कोई इंतजाम नहीं है। ऐसे में ऐसी सोसायटियां आगे चल कर स्मार्ट सिटी में दाग साबित होती हैं और जनता परेशान होती है।

खेतों में इस तरह से बेचें जा रहे प्लॉट

समग्र एवं सुनियोजित नगर विकास
का०वि०प्रा०

# सिलेंडर फटा, धधक उठा घर गृहस्थी जलकर हुई राख

## » कपड़े, जेवर, नकदी और फर्नीचर सहित पूरा मकान खाक

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के कस्बे में मंगलवार दोपहर एक घरेलू सिलेंडर में अचानक आग लग गई, जो कुछ ही पलों में बड़े हादसे में तब्दील हो गई। सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया, जिससे पूरे घर में आग फैल गई। देखते ही देखते घर की दीवारें, फर्नीचर, कपड़े, बर्तन, अलमारी में रखे जेवर और नगदी सब कुछ जलकर राख हो गया।**

पीड़िता सुषमा देवी पत्नी राजेश ने बताया कि सिलेंडर में अचानक आग लगी, और जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक वह फट चुका था। धमाके के साथ भड़की आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि घर की कच्ची छत भी पूरी तरह जल गई और खिड़की-दरवाजे खाक हो गए। घर में मौजूद सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।मोहल्ले के लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को तत्काल सूचना दी। बरौर थाना प्रभारी अमिता वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में मदद की। साथ ही, उपजिलाधिकारी जितेंद्र कटिहार ने लेखपाल और नायब तहसीलदार सूर्य प्रकाश को तत्काल मौके पर भेजा।लेखपाल ने बताया कि घर में हुए नुकसान का सर्वे किया जा रहा है, और जल्द ही प्रभावित परिवार को राहत राशि मुहैया कराई जाएगी। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा, वहीं स्थानीय प्रशासन ने संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

# रिश्तेदारी के दम पर चल रहा खनन माफियाओं का साम्राज्य!

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के लोहारी और मनेथू गांव में रात के अंधेरे में खुलेआम जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली से अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, खनन माफिया हर शाम सक्षम अधिकारियों से 'समझौता' करके निकलते हैं ताकि रात को कार्यवाही न हो।**

**प्रत्येक रात का रेट तय होता है और उसी के मुताबिक ट्रॉलियों में मिट्टी डाली जाती है। खनन से राजस्व को लाखों का नुकसान पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि खनन विभाग, पुलिस पेट्रोलिंग और प्रशासनिक अमला सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे बैठा है।**

### ग्रामीणों को धमकाते हैं माफिया, पुलिस पर रिश्तेदारी का दावा

ग्रामीण जब इस खनन पर आपत्ति जताते हैं तो माफिया उन्हें खुलेआम धमकाते हैं कि थाना प्रभारी हमारे रिश्तेदार हैं, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। मनेथू गांव में भी यही हालात हैं

जहां खनन माफिया लोगों को दबा रहे हैं और खुलेआम कह रहे हैं कि हमारी बिरादरी थाने में है। इससे प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। क्या सच में अधिकारियों से इनके रिश्ते हैं या सिर्फ नाम का इस्तेमाल कर आम जनता को डराया जा रहा है? जिम्मेदार अधिकारी संपर्क से बाहर हैं, जिससे संदेह और गहराता जा रहा है।

**» लोहारी और मनेथू में रातभर अवैध खनन**

**» संरक्षण में फल-फूल रहा है खनन का धंधा**

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# लाइन ठीक करते समय करंट से संविदा लाइनमैन की मौत

» 11 हजार केवीए लाइन में अचानक सप्लाई चालू होने से पोल से गिरा लाइनमैन, परिजनों ने अफसरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरवनखेड़ा विद्युत उपकेंद्र के नलकूप फीडर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। करीब 25 वर्षों से संविदा लाइनमैन की सेवा दे रहे 50 वर्षीय रमेश सिंह 11 हजार वोल्ट की लाइन में खराबी ठीक कर रहे थे, तभी अचानक लाइन में करंट आ गया। करंट की चपेट में आकर वह पोल से नीचे गिर पड़े।

घटना स्थल पर मौजूद प्रशासन

मौके पर मौजूद साथी लाइनमैन अंकित अवस्थी ने शोर मचाया और लोग उन्हें आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, लेकिन वहां भी डॉक्टरों ने मृत्यु की पुष्टि की। मृतक के बेटे ने विद्युत आपरेटर राजेश सिंह और अवर अभियंता मयंक राठौर पर ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतते हुए बिना सूचना के विद्युत आपूर्ति चालू करने का आरोप लगाया है। हादसे के बाद मृतक की पत्नी सुधा, बेटा निखिल उर्फ विक्रम और बेटियां मोनी व मर्री का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक की फाइल फोटो

# गरीबों के हक पर डाका, अफसर मौन!

» ब्लॉक स्तर पर भ्रष्टाचार चरम पर, पात्रों को नहीं मिल रहा आवास

» योगी सरकार की सख्ती के बावजूद अफसरों की नीयत नहीं बदली

## मलासा में अपात्रों को आवास योजना का लाभ, सिस्टम पर सवाल

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड में पीएम और सीएम आवास योजना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। ग्राम पंचायतों में सचिव, प्रधान, पटल सहायक और रोजगार सेवकों की मिलीभगत से कई अपात्र लोगों को आवास योजना का लाभ दे दिया गया।

ग्राम पंचायत असेवा में ऐसे ही दो मामलों का वीडियो सबूत स्वराज इंडिया न्यूज के कैमरे में कैद हो चुका है।

संबंधित अपात्रों को न केवल पात्र घोषित किया

» प्रधान, सचिव और पटल सहायक की मिलीभगत से अपात्रों को मिली पहली किस्त

» स्वराज इंडिया करेगा एक-एक ग्राम पंचायत का खुलासा

गया बल्कि उनके बैंक खातों में आवास योजना की पहली किस्त की धनराशि भी भेज दी गई।

**जिम्मेदारों पर गिर सकती है गाज, जल्द होगा बड़ा खुलासा**

ग्राम सचिवों और पटल सहायक की संलिप्तता

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

उजागर होने के बाद यह मामला ब्लॉक स्तर तक चर्चा का विषय बना हुआ है।

सवाल उठ रहे हैं कि जब स्थल निरीक्षण ब्लॉक और जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया गया, तो अपात्रों को लाभ कैसे मिल गया? यह एक गहरी जांच का विषय है।

ग्रामीणों ने अब जिला प्रशासन से इसकी शिकायत करने की तैयारी शुरू कर दी है। स्वराज इंडिया अखबार जल्द ही ग्राम पंचायत स्तर पर इस पूरे भ्रष्टाचार का खुलासा करेगा, जिसमें और भी कई नाम सामने आने की संभावना है।

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्का घर देने का सपना ग्राम पंचायत असेवा में अफसरों की लापरवाही और भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ गया है। मलासा ब्लॉक में अफसर आंखें मूंदे बैठे हैं और रोजगार सहायकों व सचिवों की मिलीभगत से अपात्रों को आवास बांटे जा रहे हैं। जिनके पास पहले से घर हैं, वे पात्र बना दिए गए, जबकि असल ज़रूरतमंद आज भी झोपड़ियों और किराए के मकानों में रह रहे हैं। अफसरों ने शिकायतों पर भी आंख मूंद ली है, और अब ब्लॉक मुख्यालय में यह भ्रष्टाचार खुल्लमखुल्ला हो रहा है। गरीबों से सुविधा शुल्क मांगा जा रहा है, और न देने पर उनका नाम सूची से गायब कर दिया जाता है।

### योगी सरकार का आदेश कड़ा, मगर नीचे के अफसर बना रहे मजाक

योगी सरकार ने हर हाल में भ्रष्टाचार खत्म करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की सख्त मंशा जाहिर की है। मुख्यमंत्री ने कई बार अधिकारियों को चेताया कि यदि किसी योजना में गड़बड़ी मिली तो सीधे जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके बावजूद जिले के अफसर सरकार की मंशा को पलीता लगाने में लगे हैं। सवाल ये उठता है कि जब सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी की बात कर रही है, तो फिर ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार को कौन दे रहा है संरक्षण? क्या सरकार की नीतियों का ब्लॉक स्तर पर मज़ाक बनाया जा रहा है?

# कानपुर में पीएम से मिलने वाले नेताओं की मुलाकात से खड़ा हुआ बखेड़ा

**मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर। 30 मई को कानपुर के दौरे पर आए पीएम नरेंद्र मोदी की भाजपा के कुछ नेताओं से मुलाकात चर्चा का विषय बना हुआ है। मोदी ने इस मौके पर उन्होंने अंडरग्राउंड मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कई अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण और उद्घाटन भी किए थे लेकिन प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में ऐसे चेहरे शामिल हो गए जिनका आपराधिक इतिहास हैं। इनमें तीन नेता वीरेंद्र दुबे, संदीप ठाकुर और अरविंद राज त्रिपाठी शामिल है। प्रधानमंत्री की मुलाकात पर विवाद बढ़ता जा रहा है। विपक्ष लगातार हमला कर रहा है।

## » एडीएम सिटी ने बताया

एडीएम सिटी राजेश कुमार ने बताया कि भाजपा कार्यालय से जो सूची आई थी। उसे सत्यापन के लिए पुलिस को भेजा गया था।

पूरे गाइडलाइन के पालन किए गए और गाइडलाइन के अनुसार ही लोगों को प्रधानमंत्री से मिलवाया गया है। भाजपा कार्यालय से मिली सूची को सत्यापन के लिए पुलिस को पत्र लिखा गया था। जिस पर कोई आपत्ति नहीं आई। इसके बाद उन सभी लोगों को प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति दी गई। जो सूची में शामिल थे।

प्रधानमंत्री से मिलने वालों में संदीप ठाकुर और अरविंद राज त्रिपाठी की हिस्ट्रीशीट खुल चुकी है। पुलिस का कहना है कि संदीप ठाकुर के खिलाफ हिस्ट्रीशीट मामला खत्म हो चुका है।

लेकिन हिस्ट्रीशीट गलत तरीके से बंद की गई है। जबकि वीरेंद्र दुबे पर भी कई मुकदमे दर्ज हो चुके है। सभी के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज है। वही तीनों नेताओं का कहना है कि सभी मुकदमें छात्र राजनीति और विपक्षी सरकारों में दर्ज हुए जो लगभग अब समाप्त हो चुके है।

## » आरोपों को लेकर भाजपा नेता वीरेंद्र दुबे का बयान....

प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में मुलाकात के बाद विरोधियों द्वारा उठाए गए विवाद में, मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि मेरे खिलाफ षड्यंत्रकारियों द्वारा जो भ्रामक खबर फैलाकर मेरी छवि को खराब करने का प्रयास किया वो बिल्कुल गलत है 2004 में समाजवादी सरकार के समय तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामेंद्र विक्रम सिंह से उपजे विवाद में मेरे खिलाफ एक ही दिन कई मुकदमे लिखे गए थे

व हिस्ट्रीशीट खोली गई थी जो तत्कालीन मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से एसएसपी द्वारा सारे मुकदमे व हिस्ट्रीशीट खत्म की गई थी। ।उसके बाद 2004 से आज तक मेरे ऊपर कोई भी अपराधिक मामला नहीं पंजीकृत है।

**» विपक्ष हमलावर होकर ले रहा चुटकी**

**» प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में ऐसे चेहरे शामिल हो गए थे जिनका आपराधिक इतिहास रहा है**

## » भाजपा नेता सन्दीप ठाकुर क्या बोले...?

संदीप ठाकुर ने कहा कि षड्यंत्र के तहत पिछली सरकारों ने और कॉलेज राजनीति के दौरान उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किये गए थे. हत्या के प्रयास के मामले में कोर्ट से उन्हें बरी कर दिया है. अन्य आपराधिक मामले भी लगभग लगभग खत्म हो चुके हैं. राजनीति में कदम रखने के कारण कुछ लोग उन्हें बदनाम करने के लिए अफवाह फैला रहे हैं. उनकी हिस्ट्रीशीट खत्म हो चुकी है।

## » भाजपा नेता अरविंद राज त्रिपाठी उर्फ़ छोटू का बयान

मैं अरविंद राज त्रिपाठी (एडवोकेट) छात्र जीवन से विद्यार्थी परिषद से जुड़कर सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न दायित्वों से होता हुआ विद्यार्थी परिषद के कैंडिडेट के रूप में मैं वर्ष 2002 में डीएवी छात्र संघ का महामंत्री निर्वाचित हुआ

एवं वर्ष 1999 में भाजपा वार्ड अध्यक्ष निर्वाचित होकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया।

मेरी माता जी भारतीय जनता पार्टी की टिकट से वर्ष 2007 में गीता नगर वार्ड की पार्षद निर्वाचित हुई एवं मेरे बड़े भाई श्री धीरेंद्र त्रिपाठी उर्फ धीरू जो भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवं भाजपा के दो बार मंडल अध्यक्ष रहे।

तथा कानपुर महानगर जिले के जिले मंत्री के रूप में भी संगठन में दायित्व में रहे हैं तथा वर्तमान में वर्ष 2012 से अब तक लगातार तीन बार भारतीय जनता पार्टी से वार्ड के पार्षद हैं एवं मेरे पिताजी भूतपूर्व सैनिक एवं स्वयंसेवक रहें हैं

तथा मैं स्वयं भी जिला एवं प्रदेश में भाजपा के विभिन्न दायित्वों में कार्य करते हुए वर्तमान में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री के रूप में कार्यरत हूं।

छात्र राजनीति में छात्र आंदोलनों की अगुवाई करने तथा विद्यार्थी परिषद के सक्रिय कार्यकर्ता होने के नाते एवं भाजपा परिवार से जुड़े होने के कारण तथा गुटीय छात्र राजनीति के कारण समाजवादी पार्टी सरकार एवं बहुजन समाज पार्टी सरकार के दौरान विद्वेष की भावना से मेरे खिलाफ कई थानों में मुकदमे पंजीकृत कराए गए। अब सब खत्म हो चुके हैं।

वर्तमान में मेरी निजी जानकारी के अनुसार मेरे ऊपर कोई भी मुकदमा किसी भी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है।

आप सभी मित्रों को यह जानकारी भी देना चाहता हूं कि वर्ष 2010 के बाद से वर्ष 2025 जून माह तक मैं किसी भी मुकदमे में चार्जशीटेड नहीं हुआ हूं।

# शारदा नहर में घड़ियाल का आतंक

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

निंदूरा (बाराबंकी)। कुर्सी के निगोहां स्थित शारदा नहर में पानी कम हो जाने से बीते एक सप्ताह से स्थानीय लोगों द्वारा एक घड़ियाल उपर पटरी पर टहलते हुए देखा जा रहा था। जिसको लेकर ग्रामीणों में दहशत बनी हुई थी। ग्रामीणों की सूचना पर मंगलवार को वन दरोगा प्रशांत कुमार के नेतृत्व में एक टीम घड़ियाल को पकड़ने के लिए शारदा नहर पहुंची थी। घंटों प्रयास के बाद जब वन विभाग टीम घड़ियाल को पकड़ने ने असफल रही तो टीम ने निंदूरा से मछली पकड़ने वाले इम्तियाज व अन्य तीन श्रमिकों को लेकर नहर पर पहुंची। वन विभाग टीम ने बिना सुरक्षा उपकरण दिए ही श्रमिकों को नहर में उतार दिया। इस दौरान घड़ियाल ने एक श्रमिक पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि नहर में मौजूद अन्य श्रमिकों और कर्मचारियों ने उसे बमुश्किल घड़ियाल के चंगुल से बचाया। हमले में युवक के पैर व हाथ में गंभीर चोट आई है।अन्य साथियों ने श्रमिक को निजी अस्पताल में कराया है।उधर घटना के बाद हड़कंप मच गया। साथी के घायल होने से अन्य श्रमिक भी मौके से भाग निकले। उधर देर शाम तक घड़ियाल को पकड़ा नहीं जा सका था। वन दरोगा प्रशांत ने बताया कि घड़ियाल पकड़ने के दौरान एक श्रमिक घायल हुआ है। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घड़ियाल को पकड़ने के लिए उसपर नजर रखी जा रही है।

# मंदबुद्धि युवक को पुलिस ने किया बरामद

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

बाराबंकी। थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र की बेलहरा पुलिस चौकी की तत्परता से एक 28 वर्षीय मंदबुद्धि युवक को उसके परिवार से मिलाने में सफलता मिली है। युवक करीब 5 महीने पूर्व कानपुर से लापता हो गया था और बेलहरा में मैले कपड़ों में घूमता हुआ पाया गया था।चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने युवक को नए कपड़े उपलब्ध कराए और उसकी पहचान करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। रामपियारे नामक व्यक्ति ने अपने पुत्र राजकुमार के रूप में उसकी पहचान की। युवक के पिता ने बताया कि उनका पुत्र करीब 5 महीने पूर्व जनपद कानपुर से खो गया था।

पुलिस ने युवक की पहचान की पुष्टि करने के बाद उसे उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया। इस कार्य में पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की जा रही है। चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार पटेल की भूमिका की भी विशेष प्रशंसा हो रही है।

# इन्स्पायर अवार्ड के लिए करें आवेदन

» शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए

» विद्यार्थी कर सकते हैं आवेदन, 10 हजार रुपए पाएं

» इंस्पायर अवार्ड योजना में कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थी पात्र

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। देश के सभी मान्यता प्राप्त सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए इंस्पायर अवार्ड-मानक योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन ई-एमआईएएस पोर्टल पर करने होंगे। विद्यार्थियों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति दिलचस्पी बढ़ाने और उन्हें केंद्र सरकार की इस योजना से जोड़ने के लिए चयनित सभी छात्रों के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए जमा कराए जाएंगे। इस योजना में जिला स्तर पर 10 हजार व राज्य स्तर पर 1 हजार विचारों का चयन किया जाएगा जबकि देशभर में एक लाख विद्यार्थी चयनित होंगे। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चयनित मॉडल को राष्ट्रपति भवन में आयोजित प्रवर्तन उत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा, जिसे राष्ट्रपति के हाथों से पुरस्कृत किया जाएगा। जो युवा वैज्ञानिक राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होंगे उन्हें नकद पुरस्कार और चुनिंदा बच्चों को विदेश यात्रा भी करवाई जाएगी। जिन छात्रों के विज्ञान मॉडल राज्य स्तर पर श्रेष्ठ रहेंगे, उन्हें राष्ट्र स्तरीय मंच पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होने पर छात्र-छात्राओं को अलग से प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

**छात्रवृत्ति के लिए राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता जरूरी-**

इंस्पायर अवार्ड में मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थी का खाता राष्ट्रीयकृत किसी भी बैंक में हो एवं आवेदन करने से लेकर चयन होने के उपरांत कम से कम 3 माह तक सक्रिय होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस साल इंस्पायर अवार्ड पोर्टल पर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। इसके तहत स्कूल अथॉर्टी ऑप्शन में स्कूल लॉग इन करने के उपरांत स्कूल का यू-डाइस कोड अपडेट करना अनिवार्य है। नवीन विद्यालय जो इंस्पायर अवार्ड मानक योजना हेतु पंजीकृत नहीं है वह स्वयं को पोर्टल पर पंजीकृत करा सकते हैं। विद्यार्थियों को ऑनलाइन नामांकन 15 जून 2025 से 15 सितंबर 2025 के मध्य करने होंगे।

# घर में पंखा लगाते समय उतरा करंट, मौत

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

निंदूरा (बाराबंकी)। बिजली का पंखा लगाते ही उसमें उतरे करंट की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। जबकि उसे बचाने दौड़ी पत्नी को भी तेज झटका लगा। अचानक हुए हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बड्डूपुर थाना क्षेत्र के बिबियापुर मजरे खिझना अनिल वर्मा 45 वर्ष मंगलवार की देर रात घर में बिजली का पंखा चलाने जा रहे थे, प्लग लगाते ही अखिलेश पंखे में उतरे करंट की चपेट में आ गए। यह देख पास में मौजूद उनकी पत्नी उसे बचाने दौड़ी तो उसे भी करंट का तेज झटका लगा। चीख पुकार सुनकर अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और गंभीर दशा में अनिल को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के दो मासूम बच्चे हैं। घटना के बाद पत्नी बेसुध हो गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष बड्डूपुर मनोज कुमार ने बताया कि पंखा लगाने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत होने की सूचना मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

# बच्चे में प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करें माता पिता

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

लखनऊ। एक बच्चा पढ़े भी, जिज्ञासु भी बने, सवाल भी करे इसके लिए घर और स्कूल दोनों को साझा रूप से ऐसा माहौल बनाना होगा जो प्रश्नों को दबाए नहीं बल्कि उभार दे। घर में सबसे पहले यह जरूरी है कि बच्चे के किसी भी सवाल पर झुंझलाने की बजाय उसे ध्यान से सुना जाए और प्रश्न करने की आदत को प्रोत्साहित किया जाए। जब बच्चा कोई अजीब या बार-बार सवाल पूछे, तो उसे टालने के बजाय कहा जाए तुम अच्छा सोच रहे हो। अगर माता-पिता किसी सवाल का उत्तर नहीं जानते तो उन्हें यह कहने में झिझक नहीं होनी चाहिए कि मुझे नहीं पता, चलो मिलकर पता करते हैं। यह एक बड़ी शिक्षा होती है कि सभी उत्तर तुरंत नहीं मिलते और सवालों के पीछे भागना भी सीखना होता है। रोज के जीवन में टीवी-मोबाइल की बजाय किताबों, कहानियों और आपसी बातचीत को ज्यादा जगह दी जाए ताकि सोचने और सवाल उठाने की आदत को पोषण मिले। स्कूल का वातावरण भी उत्तर देने पर नहीं, प्रश्न उठाने पर केंद्रित होना चाहिए। शिक्षक को यह सोच बदलनी होगी कि वह उत्तर देने वाला नहीं बल्कि सवालों की आग जलाने वाला है। कक्षा में सवाल पूछने के लिए अलग से समय तय होना चाहिए जहाँ बच्चा बिना डर के कुछ भी पूछ सके बिना दंड के, बिना उपहास के। दीवार पर प्रश्न पेटी लगाई जा सकती है जिसमें बच्चे अपने सवाल गुप्त रूप से डाल सकें और शिक्षक समय निकालकर उन पर चर्चा करें। हर विषय में यह अभ्यास हो कि छात्र खुद सवाल गढ़ें कहानी पढ़कर सवाल बनाएं, विज्ञान प्रयोग से नई जिज्ञासाएं निकालें। जो बच्चा प्रश्न करता है, वह खोज की ओर बढ़ रहा होता है। ऐसे बच्चों को सराहा जाए, उनकी सोच को महत्त्व मिले। सिर्फ गूगल या एआई से उत्तर मिल जाने से ज्ञान पूर्ण नहीं होता जब तक सवाल पूछने की क्षमता और साहस न हो इसलिए जरूरत है कि घर और स्कूल मिलकर ऐसी संस्कृति गढ़ें जहाँ बच्चे क्यों से शुरुआत करें और शिक्षक या माता-पिता कहें बहुत अच्छा सवाल है, चलो मिलकर सोचते हैं। यही वह बीज है जिससे एक सचेत, स्वतंत्र और रचनाशील समाज पनपता है। बच्चों को प्रश्न करने की छूट देना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे बच्चों को सीखने में मदद मिलती है और उनकी जिज्ञासा बढ़ती है। प्रश्न पूछना बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने और अपनी समझ को विकसित करने में मदद करता है जिससे वे एक जिज्ञासु और सक्रिय शिक्षार्थी बन सकते हैं।

# कानपुर सहित कई शहरों के युवाओं को आईएसआई से जोड़ रहा था तुफैल

## पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी,(ISI) के लिए बना रहा था जासूसी नेटवक.यूपी ATS की पूछताछ में खुलासा.

**मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर/लखनऊ। यूपी एटीएस ने वाराणसी से गिरफ्तार किए गए तुफैल के खिलाफ बड़ा खुलासा किया है. अफसरों का कहना है कि पूछताछ के दौरान तुफैल ने स्वीकार किया कि वह 'उम्मीद-ए-शहर' नाम से 8 वॉट्सएप ग्रुप बनाकर वाराणसी, आजमगढ़, कानपुर, कन्नौज, रामपुर, मुरादाबाद और बरेली जैसे कई शहरों के नौजवानों को जोड़ रहा था. इस ग्रुप में एक पाकिस्तानी हैंडलर भी शामिल था, जो भारत में साजिश रच रहा था. पूछताछ में तुफैल ने बताया कि 'उम्मीद-ए-शहर' के आठ वॉट्सएप ग्रुप बनाए गए थे, जिनमें भारतीय मोबाइल नंबर से जुड़े आईएसआई के हैंडलर भी सक्रिय थे. यह नेटवर्क आईएसआई एजेंटों द्वारा संचालित था. तुफैल का यह भी दावा है कि उसने पाकिस्तान की नफीसा नामक महिला से संपर्क किया था, जो आईएसआई के लिए काम करती थी. इसी नफीसा के माध्यम से तुफैल को पहला भारतीय सिम कार्ड मिला, जो फर्जी नाम और पते पर एक्टिवेट कराया गया था. यह सिम कार्ड नफीसा के मोबाइल पर एक्टिव था. नफीसा ने तुफैल को फर्जी भारतीय सिम खरीदने में मदद की थी.

साल 2022 में तुफैल की पाकिस्तान में आईएसआई एजेंट नौशाद मेमन से भी मुलाकात हुई थी. नौशाद मेमन पंजाब से पकड़ा गया था और उससे पता चला कि उसने दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग के एक अधिकारी को कई एक्टिव भारतीय सिम कार्ड दिए थे. इसके बाद तुफैल को वॉट्सएप ग्रुप बनाने और उसे चलाने के निर्देश दिए गए थे.

**भारत की कई संवेदनशील फोटो लीक की गई**

तुफैल ने भारत की कई संवेदनशील जगहों जैसे राजघाट, नमोघाट, ज्ञानवापी मस्जिद, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद, लाल किला आदि की तस्वीरें पाकिस्तानी नंबरों पर साझा की थीं. तुफैल करीब कई पाकिस्तानी नंबरों से जुड़ा हुआ था. अ्रस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है. तुफैल के मूवमेंट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की भी छानबीन की जा रही है.

**बनारस की तंग गलियों में है तुफैल का घर**

बता दें कि वाराणसी की तंग गलियों में बसे नवापुर हनुमान फाटक मोहल्ले से मोहम्मद तुफैल अंसारी को गिरफ्तार किया गया था. उस पर आरोप है कि वह पाकिस्तान को संवेदनशील सूचनाएं भेजने और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है. उसके मोहल्ले के लोगों के मुताबिक, तुफैल बहुत ही चुपचाप रहने वाला व्यक्ति था और उसके ऐसे किसी नेटवर्क में शामिल होने की किसी को भनक तक नहीं लगी थी।

UTTAR PRADESH
UP ATS
ANTI-TERROR SQUAD

**पाकिस्तान हाई कमीशन के संपर्क में था दिल्ली का युवक**

दिल्ली निवासी हारुन को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है. 21 मई को वाराणसी के तुफैल और दिल्ली निवासी मोहम्मद हारुन को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ के दौरान हारुन ने स्वीकार किया है कि वह पाकिस्तान हाई कमीशन के कर्मचारी मुजम्मल हुसैन के संपर्क में था. अ्रस को शक है कि हारुन ने मुजम्मल को कुछ भारतीय बैंक खातों की जानकारी उपलब्ध कराई थी. अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

## बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने कहा, उनका देश शांति चाहता है, लेकिन शर्तों पर बिल्कुल नहीं

» न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत को लेकर बात कही

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

नई दिल्ली। बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ शांति चाहता है, लेकिन शर्तों पर बिल्कुल भी नहीं।

साथ ही न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने ये भी कहा, भारत ने बिना जांच और सबूत के पहलगाम घटना के लिए पाकिस्तान को पूर्ण रूप से दोषी ठहराया।

जबकि प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भारत को पहलगाम घटना की जांच में मदद की पेशकश भी की थी।आगे उन्होंने कहा कि भारत ने सीमा का उल्लंघन किया और निर्दोष नागरिकों को निशाना भी बनाया गया। भुट्टो ने आगे ये भी कहा, पाकिस्तान सभी तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा भी करता है। और आतंकवाद के ख़िलाफ़ युद्ध में हमने भारी क़ीमत भी चुकाई है।

साथ ही बिलावल भुट्टो ने कहा, हमने देखा कि हाल ही में तनाव कितनी तेज़ी से भी बढ़ा। दो परमाणु शक्तियां युद्ध के कगार पर भी थीं। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने युद्ध विराम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## पाकिस्तानी जासूस जसबीर के फोन से हुए कई चौकाने वाले खुलासे.

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

महोली: पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ कथित रूप से निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि उससे जुड़े आतंकी समर्थित जासूसी नेटवर्क का पता चला है और वह तीन बार कथित रूप से पाकिस्तान जा चुका है। पंजाब पुलिस ने जान महल नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है, जिसके चैनल पर 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स हैं। पुलिस के अनुसार, जसबीर सिंह पाकिस्तान से जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का हिस्सा था।

**पाकिस्तानी अधिकारी से संपर्क**

जसबीर सिंह का संपर्क पाकिस्तानी अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी था, जो पहले दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन में कार्यरत था। दानिश को जासूसी के आरोप में भारत से निष्कासित किया गया था।

**जसबीर का पाकिस्तान दौरा**

रिपोर्ट के अनुसार, जसबीर सिंह तीन बार साल 2020, 2021 और 2024 में पाकिस्तान जा चुका

है। वह दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास द्वारा आयोजित पाकिस्तान डे कार्यक्रम में भी शामिल हुआ था। जहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से हुई। जसबीर हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ लगातार संपर्क में था और उसके साथ पाकिस्तान भी गया था। ज्योति को कुछ हफ्ते पहले जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।पुलिस ने जसबीर के मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की, जिसमें 100 से अधिक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर मिले। ज्योति की गिरफ्तारी के बाद जसबीर ने आईएसआई से जुड़े लोगों के साथ अपनी बातचीत को मिटाने की कोशिश की।